लोकतंत्र की आत्मा है - संवाद

हरियाणा संवाद

पाक्षिक : 16- 30 नवंबर, 2023 www.haryanasamvad.gov.in अंक - 78

“

आओ पेड़ लगाएं, पर्यावरण को स्वच्छ बनाएं। प्रदूषण को ना कहकर, धरती को स्वर्ग बनाएं।

: पर्यावरणविद

मनोहर सरकार में बिना भेदभाव हुआ समग्र विकास 3

गन्ने का रेट हुआ 386 रुपए प्रति क्विंटल 5

नेशनल गेम्स में हरियाणा का रहा दबदबा 7

आम आदमी के बीच खास आदमी

अपनों के बीच जाकर दुख-सुख टटोलने वाला अनूठा जनसेवक

विशेष प्रतिनिधि

अब यह मुख्यमंत्री स्वयं लोगों के बीच जाकर आम आदमी की उम्मीदों, ज़रूरतों और अपनी सरकार की नौ वर्षीय कारगुजारी पर सीधे संवाद साध रहे हैं।

अपने स्तर पर ज़मीनी स्थितियों का आकलन करने में उन्हें संतुष्टि भी मिलती है और आने वाले कल का मार्ग भी ज़मीन के करीब जाकर स्वयं तय कर रहे हैं। वे जहां एक ओर टेक्नोलॉजी का सहारा भी स्वयं सीधे रूप में लेते हैं, वहीं धरती की सोंधी गंध की महक को स्वयं सीधे रूप में सूंघ पा रहे हैं।

गत सप्ताह उन्होंने एक सामान्य बस-यात्री के रूप में टिकट खरीदा, कंडक्टर से भी उसकी कार्यशैली व कौशल के बारे में सभी बारीकियां समझीं और बस यात्रियों के बीच जाकर उनकी अपेक्षाओं, उम्मीदों व कठिनाइयों का प्रथम स्तर जायज़ा लिया। शायद देश के किसी भी राज्य में किसी भी मुख्यमंत्री द्वारा ऐसी पहलकदमी देखने-सुनने में नहीं आई।

पहली बार 'सीएम-विंडो', 'जनसंवाद' और इसी तरह से सामान्यजन के बीच में जाकर उनकी समस्याओं को प्रथमदृष्टया समझने का एक गंभीर प्रयास किया गया है। इसका सर्वत्र स्वागत स्वाभाविक है। कुछ अवसरों पर मुख्यमंत्री को वेश बदलकर भी जाना पड़ा और कुछ अवसरों पर उन्हें सीधे बिना वेश बदले और बिना सरकारी तामझाम साथ लिए जाने में कोई असुविधा या कोई संकोच नहीं हुआ।

एक वीडियो और कुछ फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। खाकी रंग की पेंट और सफारी कमीज में हॉफ जैकेट (खाकी रंग की ही) में नजर आ रहे मुख्यमंत्री ने सिर पर केसरिया रंग की टोपी पहनी हुई थी। साथ ही गले में हरियाणवी स्टाइल में परना (पटका) डाला हुआ था।

पिछले दिनों दशहरा ग्राउंड, पंचकूला में देश का सबसे ऊंचा रावण का पुतला बनाया था। रावण दहन देखने के लिए पंचकूला के अलावा आसपास के गांवों व कस्बों के हजारों लोग भी दशहरा ग्राउंड पहुंचे थे। बताते हैं कि मुख्यमंत्री पूरी प्लानिंग के साथ ऐसी ड्रेस पहनकर घर से निकले ताकि उन्हें कोई पहचन न सके। ये प्राइवेट गाड़ी में पंचकूला गए और काफी देर तक दशहरा ग्राउंड में घूमे।

इस दौरान उन्होंने मुंह पर पटका बांधा हुआ था। हालांकि सिविल वर्दी में उनका एक सिक्योरिटी जवान भी साथ मौजूद था लेकिन सरकारी काफिले को, मुख्यमंत्री साथ लेकर नहीं गए, ऐसे में किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। मेले में काफी देर लगाने के दौरान सीएम ने लोगों से बातचीत भी की। इस दौरान कइयों से जहां उन्हें तारीफ़ सुनने को मिली। वहीं कुछ ने सरकार को लेकर उलाहने भी दिए।

पिछले दिनों भी सीएम ने शाहबाद से अम्बाला तक हरियाणा रोडवेज की सामान्य बस में सफर किया था। बस में सफर के दौरान उन्होंने यात्रियों से उनकी समस्याओं के बारे में बात की और सरकार द्वारा शुरू की गई ई-टिकटिंग प्रणाली पर कंडक्टर से बातचीत की। इस दौरान यात्रियों ने वीडियो भी बनाई और मुख्यमंत्री के साथ फोटो भी लिए। कुछ लोगों ने अपने परिवार के लोगों की भी मुख्यमंत्री से मोबाइल पर बात करवाई। सीएम का यह अनूठा अंदाज़ लोगों को काफ़ी पसंद आया।

G20 भारत 2023 INDIA

विकसित भारत संकल्प यात्रा

केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी देने और जागरूक करने के लिए नवम्बर माह के तीसरे सप्ताह में विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू की जाएगी। मुख्य सचिव संजीव कौशल ने बताया कि इस यात्रा का मुख्य ध्येय विकसित भारत का निर्माण करना है जिसमें हर नागरिक को सरकार की योजनाओं के साथ जोड़ना और उन्हें लाभ पहुंचाकर सशक्त बनाना है। विकसित संकल्प भारत यात्रा से गांव व शहर के हर व्यक्ति को शामिल कर इसे महोत्सव का रूप देना है।

मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डा. अमित अग्रवाल ने प्रजेंटेशन प्रस्तुत करते हुए विस्तार से विकसित भारत संकल्प यात्रा के बारे में अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि संकल्प यात्रा का शुभारम्भ 15 नवम्बर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया जाएगा। सरकार की फ्लेगशिप योजनाएं आयुषमान भारत, पीएम गरीब कल्याण योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना, पीएम उज्जवला योजना, पीएम पोषण अभियान, हर घर जल जीवन मिशन, स्वामित्व योजना, जन धन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, पीएम स्वनिधि स्टार्टअप इंडिया, पीएम मुद्रा लोन, स्वच्छ भारत अभियान, खेलो इंडिया, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा क्षेत्र जैसी योजनाओं पर मुख्य फोकस रहेगा।

पर्यटन के क्षेत्र में बढ़ते कदम

हथिनी कुंड क्षेत्र बनेगा पर्यटन का नया केंद्र

हरियाणा पर्यटन के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। सर्वविदित है कि पर्यटन एक ऐसा क्षेत्र है जिसे पूरी दुनिया के लोग सर्च करके घूमने आते हैं। जहां-जहां पर्यटन बढ़ा है वहां प्रगति हुई है। रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। हरियाणा में भी पर्यटन के नाते लोगों का रुझान बढ़े, इसके लिए आज हथिनी कुंड बैराज पर वॉटर राईडिंग व यमुना में बोटिंग की शुरुआत की गई है।

हथिनी कुंड बैराज पर पार्क बनाया जा रहा है जिसका नाम भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखा गया है। गुरुग्राम और नूह जिलों के क्षेत्र में करीब 10 हजार एकड़ मे जंगल सफारी प्रोजेक्ट बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। आज के युवा का साहसिक खेलों की ओर रुझान ज्यादा है। पर्यटन के नाते हरियाणा में बहुत से क्षेत्रों में ऐसी गतिविधियों को बढ़ाया जा सकता है। पर्यटन के नाते कलेसर से कालका तक पहाड़ी के नीचे-नीचे बहुत सी संभावना है, जैसे कि पैदल ट्रैकिंग,साइकिल ट्रैकिंग व मोटरसाइकिल इत्यादि के माध्यम से विभिन्न स्थानों जैसे आदि बद्री, लोहगढ़, त्रिलोकपुर देवी का मंदिर का भ्रमण कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त बहुत से मनोरंजन के स्थान भी पहाड़ी के साथ पड़ते है।

उन्होंने कहा कि ताजे वाला हैड पहले छोटा था। उसके बाद हथिनी कुंड बैराज बनाया गया, परन्तु पानी की अधिकता के कारण कलेसर में 50 मीटर ऊंचा डैम बनाया जाएगा। इस डैम से हरियाणा, हिमाचल, उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। यह प्रोजेक्ट 4 प्रदेशों का मिलन बिन्दु हैं। यहां पर पर्यटन की संभावना होगी और चारों प्रदेशों में पानी की जरूरत को पूरा किया जा सकता है। हम इसके माध्यम से बिजली भी बना सकते हैं।

हॉट एयर बैलून सफारी

हरियाणा में वॉटर स्पोर्ट्स गतिविधियों के साथ-साथ अब पर्यटक हॉट एयर बैलून सफारी का भी मज़ा उठा सकेंगे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गेट वे ऑफ हिमाचल कहे जाने वाले पिंजौर में हॉट एयर बैलून सफारी का शुभारंभ किया। उन्होंने स्वयं हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञान चंद गुप्ता और स्कूल शिक्षा और विरासत एवं पर्यटन मंत्री श्री कंवर पाल के साथ सबसे पहले हॉट एयर बैलून सफारी की सवारी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली सफारी का अनुभव बेहद अच्छा रहा और सुरक्षा की दृष्टि से भी यह काफी सुरक्षित है। हॉट एयर बैलून संचालित करने वाली कंपनी ने सुरक्षा सर्टिफिकेट प्राप्त किए हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में हॉट एयर बैलून सफारी की शुरुआत होने से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि रोजगार के अवसर भी मिलेंगे।

उन्होंने बताया कि आज से शुरू हुए इस हॉट एयर बैलून सफारी की व्यावहारिकता को देखते हुए राज्य सरकार कंपनी को 2 साल के लिए वीजीएफ के तौर पर 72 लाख रुपए देगी। कंपनी की ओर से इसका रेट 13 हजार रुपए प्रति व्यक्ति प्रति राइड निर्धारित किया गया है। मोरनी हिल्स के पास टिक्करताल क्षेत्र में भी पैराग्लाइडिंग, वाटर स्पोर्ट्स एक्टिविटी, जेट स्कूटर, पैरा सेल्लिंग और ट्रेकिंग जैसे एडवेंचर खेलों की शुरुआत की गई है।

अरावली में भी बढ़ेंगी संभावनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिवालिक पर्वत क्षेत्र के साथ साथ अरावली क्षेत्र को भी पर्यटन के रूप विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में विश्व के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए भी व्यापक स्तर पर रोडमैप तैयार किया जा रहे हैं। इसी कड़ी

में राज्य सरकार द्वारा अरावली पर्वत श्रृंखला में पड़ने वाले गुरुग्राम व नूंह जिलों की 10,000 एकड़ भूमि पर दुनिया का सबसे बड़ा जंगल सफारी पार्क विकसित किया जा रहा है। इससे अरावली पर्वत श्रृंखला को संरक्षित करने में मदद मिलेगी, वहीं दूसरी ओर गुरुग्राम व नूह क्षेत्रों में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

अग्रोहा में भी मिली खुदाई की अनुमति

मनोहर लाल ने कहा कि ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण राखीगढ़ी में भी म्यूज़ियम बनाया जा रहा है। साथ ही अब राखीगढ़ी की तर्ज पर अग्रोहा में भी खुदाई की अनुमति मिल चुकी है। इससे इस क्षेत्र में पुरातात्विक विरासत को पहचान मिलेगी। इसके अलावा, ढोसी के पहाड़ को भी तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। एयरो स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए भी पैराग्लाइडिंग की संभावनाओं का अध्ययन किया जा रहा है।

संपादकीय

संस्कृति-पर्यटन और इतिहास का सामंजस्य

हरियाणा ने देवभूमि हिमाचल के प्रवेश-मार्ग पर स्थित पिंजौर को एक और पर्यटन-आकर्षण प्रदान किया है। वस्तुतः यह भी एक हकीकत है कि संस्कृति व आध्यात्मिक दृष्टि से पहचान रखने वाले हरियाणा ने पिछले नौ वर्षों में पर्यटन व तीर्थाटन के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। देश की जनसंख्या का दो प्रतिशत से भी कम प्रतिनिधित्व करने वाला हरियाणा राज्य आज कई क्षेत्रों में देश व विश्व में अपनी धाक जमा चुका है। भले ही पर्यटन की दृष्टि से यहां कम संभावनाएं हों परंतु नौ वर्षों से मुख्यमंत्री ने हरियाणा को साहसिक खेल गतिविधियों की ओर अग्रसर किया है।

मुख्यमंत्री का संकल्प हरियाणा को पर्यटन के मानचित्र पर अलग पहचान दिलाना है। मुख्यमंत्री जो स्वयं साहसिक खेल गतिविधियों में रूचि रखते हैं, ने शिवालिक पर्वत श्रृंखला को साहसिक खेल गतिविधियों का केंद्र बनाया है। मोरनी हिल्स के पास टिक्कर रताल क्षेत्र में मुख्यमंत्री ने पैराग्लाइडिंग, वाटर स्पोर्ट्स एक्टिविटी, जेट स्कूटर, पैरा सेल्लिंग और ट्रेकिंग जैसे एडवेंचर खेलों की शुरुआत करने के बाद अब पिंजौर को भी पर्यटन के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसी कड़ी में पिंजौर में हॉट एयर बैलून सफारी है। इससे एक ओर जहां पर्यटकों को पहले से चल रही पर्यटन की गतिविधियों के अलावा उनकी यात्रा में नया अनुभव साझा करने को मिलेगा तो वहीं पिंजौर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से भी अवगत हो सकेंगे।

देवभूमि हिमाचल का गेट-वे माने जाने वाले पिंजौर का अपना एक ऐतिहासिक महत्व है, इसे महाभारत कालीन स्थल भी माना जाता है। यह स्थल अपने भीतर हजारों वर्ष पुराने प्राचीन इतिहास को संजाए हुए है। यहां जगह-जगह प्राचीन इतिहास के अवशेष बिखरे पड़े हैं। ऐसी मान्यता है कि पांडवों ने अपने वनवास के दौरान अज्ञातवास का एक बड़ा समय यहां बिताया था, जिसके प्रमाण आज भी पिंजौर में देखने को मिलते हैं। इतना ही नहीं, यहां स्थित यादविंद्रा गार्डन, जिसे पिंजौर गार्डन भी कहा जाता है जो बेहद प्रसिद्ध है। यह मुगल गार्डन शैली का एक उदाहरण है। इसी कड़ी में सरस्वती-बोर्ड के प्रयासों की भी सराहना की जानी चाहिए।

- डॉ. चन्द्र त्रिखा

एक करोड़ रुपए जीतने का मौका

'मेरा बिल-मेरा अधिकार' योजना के तहत सरकार ने नागरिकों को एक करोड़ ईनाम के साथ कई अन्य आकर्षक ईनाम जीतने का अवसर प्रदान किया है। इसके लिए उपभोक्ता हर खरीद पर जीएसटी बिल जरूर लें और आकर्षक इनाम जीतने का मौका पाएं।

वित्त मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मेरा बिल-मेरा अधिकार योजना चलाई गई है, जिसके चलते प्रत्येक नागरिक खरीदारी के समय लिए गए बिल को संबंधित पोर्टल पर अपलोड करते हुए योजना का लाभ उठा सकते हैं। इस योजना के तहत सरकार की ओर से प्रति माह लक्की ड्रा निकाला जाएगा और नागरिकों का चयन किया जाएगा। इसमें वे ही नागरिक शामिल होंगे जो हर महीने अपना जीएसटी बिल लेकर पोर्टल पर अपलोड करेंगे। merabill.gst.gov.in पर जाकर पर जाकर जीएसटी बिल अपलोड कर सकते हैं।

लकी ड्रॉ के लिए विचार किए जाने वाले इनवॉइस का न्यूनतम मूल्य 200 रुपए रखा गया है। बिल इनवॉइस आईओएस और एंड्रॉयड पर उपलब्ध मोबाइल एप्लिकेशन 'मेरा बिल मेरा अधिकार' के साथ-साथ वेब भी अपलोड किए जा सकते हैं। मासिक ड्रा में 10-10 हजार रुपए के 800 पुरस्कार तथा 10-10 लाख रुपए के दो पुरस्कार दिए जाएंगे। वहीं तिमाही आधार पर निकाले जाने वाले ड्रा के दो विजेताओं को एक-एक करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि मिलेगी।

सलाहकार संपादक : डा. चंद्र त्रिखा
सह संपादक : मनोज प्रभाकर
स्टाफ राइटर : संगीता शर्मा
संपादन सहायक : सुरेंद्र बांसल
चित्रांकन एवं डिज़ाइन : गुरप्रीत सिंह
डिजिटल सपोर्ट : विकास डांगी

विद्यार्थियों के लिए चलेंगी मिनी बसें

प्रदेश के एक गांव में 50 से अधिक विद्यार्थी होने पर दूर-दराज के स्कूल में जाने के लिए अब परिवहन विभाग की ओर से बस सेवा उपलब्ध करवाई जाएगी। जिस गांव में 30 से 40 विद्यार्थी हैं वहां पर मिनी बस, जिस गांव में 5 से 10 विद्यार्थी हैं वहां पर शिक्षा विभाग की ओर से परिवहन व्यवस्था उपलब्ध करवाई जाएगी। यह सुविधा छात्र परिवहन सुरक्षा योजना के तहत उपलब्ध करवाई जाएगी।

करनाल के गांव रतनगढ़ के जनसंवाद कार्यक्रम में इस योजना के प्रथम चरण की शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गांव रतनगढ़ के लोगों से बातचीत के बाद इस योजना की शुरुआत की और कहा कि इसे प्रदेश के अन्य जिलों में भी लागू किया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि जिस गांव में 5 से 10 बच्चे होंगे वहां ऑटो रिक्शा जैसी सुविधा मिलेगी। यह सुविधा विद्यार्थियों को निशुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी। इसका पैसा जिला

शिक्षा विभाग के माध्यम से खर्च किया जाएगा।

मनोहर लाल ने कहा कि राज्य सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक की छोटी-छोटी दिक्कतों और परेशानियों को दूर करने के लिए जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित कर रही है। परिवार पहचान पत्र के माध्यम से तमाम योजनाओं का लाभ देने का काम किया जा रहा है।

» किसानों को फ़र्द अब ऑनलाइन मिल रही है।
» बुजुर्गों की ऑटो मोड से पेंशन बन रही है सीधा बैंक खाते में जा रही है।
» 45 वर्ष से ऊपर अविवाहित व्यक्ति, 40 साल से ऊपर विधुर व्यक्ति की भी पेंशन शुरू।
» जनवरी माह से पेंशन 3000 रुपए मिलने लगेगी।
» आयुष्मान और चिरायु योजना के तहत प्रदेश के 70 लाख में से 45 लाख परिवारों को 5 लाख रुपए तक विभिन्न बीमारियों का इलाज करवाने की सुविधा प्रदान की गई है।

-संवाद ब्यूरो

चिरायु योजना का शुभारंभ

हरियाणा दिवस पर सांस्कृतिक संध्या

57वें हरियाणा दिवस पर हरियाणा राजभवन चंडीगढ़ में सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शिरकत की। इस अवसर पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन हमारे लिए गौरव का दिन है और हमें संकल्प लेना चाहिए कि हमें न केवल हरियाणा के लिए, बल्कि देश की प्रगति व समृद्धि के लिए कार्य करना चाहिए।

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, पटियाला के कलाकारों द्वारा हरियाणवी, पंजाबी, लद्दाखी लोकनृत्यों के साथ-साथ मध्य प्रदेश के देवी माता शीतला के बधाई नृत्य व छत्तीसगढ़ के अध्यात्मिक भावना व शारीरिक कौशल के आदिवासी पन्नी नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अंत्योदय परिवारों को बड़ी सौगात देते हुए 1.80 लाख रुपए से 3 लाख रुपए तक की वार्षिक आय वर्ग के परिवारों को आयुष्मान/ चिरायु योजना का लाभ देने की शुरुआत की। योजना के तहत अभी तक 38,000 परिवारों ने आवेदन किया था। आज से इन सभी परिवारों को आयुष्मान/चिरायु योजना का लाभ मिलना शुरू हो गया। यहां मुख्यमंत्री आवास संत कबीर कुटीर पर आयोजित बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने 1.80 लाख रुपए से 3 लाख रुपए तक की वार्षिक आय वर्ग के परिवारों के सदस्यों को सैद्धांतिक रूप से कार्ड वितरित कर इस योजना का शुभारंभ किया।

कैशलेस उपचार की सुविधा

बैठक में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश के कर्मचारी व पेंशन भोगियों को भी मनोहर तोहफ़ा देते हुए कैशलैस स्वास्थ्य सुविधा का शुभारंभ किया। प्रथम चरण में दो विभाग नामतः मत्स्य व बागवानी के 894 कर्मचारियों को इसमें शामिल किया गया है और प्रथम चरण में बीमारियों के 1055 पैकेज व हरियाणा के 305 अस्पतालों को सम्मिलित किया गया है। आगामी समय में अन्य विभागों में भी इस कैशलैस सुविधा को लागू कर दिया जाएगा, जिससे प्रदेश के सभी कर्मचारियों को लाभ होगा।

प्रदेश के मान्यता प्राप्त पत्रकार भी कैशलैस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। इस सुविधा के पूरी तरह लागू होने पर हरियाणा के करीब 3.5 लाख नियमित कर्मचारी, 3 लाख पेंशनभोगी और उनके 20 लाख आश्रित सूचीबद्ध अस्पतालों में नकद रहित उपचार करा सकेंगे। इस योजना में कुल 1,340 बिमारियों को कवर किया गया है। प्रदेश में सूचीबद्ध 569 अस्पतालों में इस सुविधा का लाभ उठाया जा सकेगा।

कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा राष्ट्र स्तरीय हिंदी नाट्य उत्सव-2023 का आयोजन करवाया जाएगा जिसके लिए 24 नवंबर 2023 तक आवेदन आमंत्रित हैं। आवेदन प्रपत्र विभाग की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है।

हरियाणा में न्यायिक शाखा भर्ती प्रक्रिया की दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए हरियाणा सरकार ने 26 अक्तूबर, 1951 के पंजाब सरकार द्वारा प्रकाशित नियमों में संशोधन करने के लिए अधिसूचना जारी की है।

मनोहर सरकार में बिना भेदभाव हुआ समग्र विकास

विशेष प्रतिनिधि

मनोहर सरकार द्वारा निरंतर अंत्योदय की भावना से प्रदेश का एक समान विकास करने व गरीब परिवारों का उत्थान करने के प्रयासों की केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने प्रशंसा की।

उन्होंने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को बधाई देते हुए कहा कि उनके प्रयासों के चलते हरियाणा से भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद व क्षेत्रवाद की राजनीति को खत्म करने का काम किया है।

विकास कार्यों के लिए केन्द्र सरकार की ओर से हरियाणा को पिछले 9 वर्षों में 1 लाख 32 हजार करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध करवाई गई है जबकि इससे पहले कांग्रेस के 10 सालों के कार्यकाल में केवल 40 हजार करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध करवाई गई।

अमित शाह हरियाणा प्रांत गठन के 57 वर्ष पूरे होने पर दानवीर कर्ण की नगरी करनाल में आयोजित अन्तोदय महासम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में जनसमूह को सम्बोधित कर रहे थे।

अमित शाह ने कहा कि केन्द्र व हरियाणा की बीजेपी सरकार ने देश व प्रदेश दोनों को गत 9 वर्षों में विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ाने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को 9 सालों में 7 आईआईटी, 7 आईआईएम, 15 एम्स, 700 मेडिकल कॉलेज और 54 हजार किलोमीटर लम्बे नेशनल हाईवे जैसे विकासात्मक परियोजनाएं दी है, उसी तर्ज पर हरियाणा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 77 नए कॉलेज, 13 विश्वविद्यालय, 8 मेडिकल कॉलेज, 2 नए एयरपोर्ट, 16 नए अस्पताल के साथ-साथ 28 हजार किलोमीटर से अधिक नई सड़कों का जाल बिछाया है।

अमित शाह ने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार ने बड़ा परिवर्तन लाते हुए हरियाणा को एक विकसित राज्य बनाने का काम किया है। हरियाणा जैसे प्रदेश से भ्रष्टाचार को समाप्त करना, कानून व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखना एक कठिन चुनौती थी जिसे मनोहर लाल ने बखूबी पूरा किया।

अमित शाह ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन

हरियाणा सरकार के 9 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में करनाल में आयोजित अंत्योदय महासम्मेलन में सूचना, लोक संपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी एक बड़ा आकर्षण का केंद्र रही। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल व अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में अंत्योदय परिवारों के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित की गई।

आत्मनिर्भरता : मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत परिवार पहचान पत्र के डेटा की मदद से 1 लाख रुपये से कम वार्षिक आय परिवारों की पहचान की। 4 चरणों में 882 अंत्योदय मेला दिवसों में 1,04,169 में से 44,546 ऋण स्वीकृत। 5,001 परिवारों को वेतन रोजगार, 3,209 को कौशल प्रशिक्षण व 1630 को मानदेय दिया।

सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं : चिरायु योजना में 1.80 लाख रुपए तक वार्षिक आय वाले परिवारों को भी 5 लाख रुपए तक मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। अब हरियाणा सरकार ने इसमें 3 लाख रुपए तक वार्षिक आय वाले परिवारों को भी 1500 रुपए वार्षिक अंशदान के साथ यह सुविधा दी है। अब तक 87 लाख आयुष्मान भारत / चिरायु कार्ड बनाए जा चुके हैं और 8.56 लाख मरीजों के इलाज के लिए 1088 करोड़ रुपए के क्लेम दिए गए।

अपना घर सपनों का घर : हरियाणा में प्रधानमंत्री आवास योजना में शहरों में 67,649 मकान बनवाने का लक्ष्य है। 529 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता से 15,045 मकान बनवाये गए और 15,258 निर्माणाधीन हैं। ग्रामीण में भी 28,440 मकान स्वीकृत हैं। 382 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता से 26,362 मकान बनवाए गए हैं और 3077 निर्माणाधीन हैं।

घर बैठे बन रहे राशन कार्ड : पात्र परिवारों के घर बैठे 39 लाख बीपीएल राशन कार्ड ऑटोमेटिकली बनाए गए हैं। प्रदेश में अब बीपीएल कार्ड बनाने के लिए किसी सर्वे का इंतजार नहीं करना पड़ता और न ही लोगों को दफ्तरों के चक्क र काटने पड़ते हैं।

अम्बेडकर आवास योजना : गरीब परिवारों के लिए राज्य सरकार ने मकान मरम्मत के लिए 25,000 रुपए की राशि को बढ़ाकर 80,000 रुपए किया है। इस योजना के तहत 66,000 से अधिक लाभार्थियों को 370 करोड़ रुपए की सहायता दी गई।

बुजुर्गों का सम्मानित जीवन : हरियाणा में राज्य सरकार ने वृद्धावस्था सम्मान भत्ते को परिवार पहचान पत्र के साथ जोड़ने से लोगों को पर बैठे लाभ मिल रहा है। पेंशन की पात्रता की वार्षिक आय सीमा 2 लाख रूपये से बढ़ाकर 3 लाख रुपये की है।

बेटी की शादी पर शगुन : मुख्यमंत्री शगुन योजना में सरकार ने शगुन राशि बढ़ाकर 71,000 रुपए तक की है। पहले यह लाभ केवल 2 बेटियों तक मिलता था। अब इसे सब बेटियों को देने का प्रावधान किया है। पिछले 9 सालों में बी.पी.एल. परिवारों की 2,58,000 कन्याओं के विवाह पर 821 करोड़ रुपए का शगुन दिया है।

श्रमिकों का कल्याण : ई- श्रम पोर्टल पर 52 लाख असंगठित श्रमिकों का पंजीकरण हुआ है। अकुशल श्रमिकों का 10,661.28 रुपए और कुशल श्रमिक का 13,606.75 रुपए न्यूनतम मासिक वेतन निर्धारित किया है। दफ्तर दस्तावेज से आजादी

मनोहर सरकार ने परिवार पहचान पत्र बनाकर लोगों को दफ्तर, दस्तावेज व दरखास्त से मुक्ति दिलाई है। सभी योजनाओं का लाभ घर बैठे मिल रहा है। पीपीपी पर 71 लाख परिवारों के 2.83 करोड़ सदस्यों का डेटा अपडेट हुआ और 397 सेवाओं व योजनाओं को जोड़ा है।

सामाजिक पेंशन 3,000 रुपए प्रति माह का ऐलान

हरियाणा सरकार के 9 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में जिला करनाल में आयोजित अंत्योदय महासम्मेलन में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि 1 जनवरी, 2024 से प्रदेश में सामाजिक पेंशन के लाभार्थियों को 3 हजार रुपए मासिक पेंशन मिलेगी। वर्तमान में यह पेंशन राशि 2750 रुपए है।

पांच नई योजनाओं का शुभारंभ

हरियाणा सरकार द्वारा अंत्योदय उत्थान के लिए चलाई जा रही अनेक कल्याणकारी योजनाओं में एक और नया अध्याय जुड़ गया, जब केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल की उपस्थिति में अंत्योदय उत्थान के लिए हरियाणा सरकार द्वारा शुरू की गई नई योजनाओं का शुभारंभ किया।

चिरायु योजना : प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में हरियाणा के 15 लाख परिवारों को 5 लाख रुपए तक का वार्षिक इलाज मुफ्त मिलता है। चिरायु योजना से अब तक लगभग 11 लाख परिवारों को यह लाभ मिल रहा है। राज्य के 14 लाख नए परिवारों को इस योजना में जोड़ा गया है। अब राज्य के लगभग 40 लाख अंत्योदय परिवार आयुष्मान भारत-चिरायु योजना का लाभ उठा सकेंगे।

हरियाणा आय वृद्धि बोर्ड : अंत्योदय परिवारों की आय बढ़ाने के लिए हरियाणा आय वृद्धि बोर्ड का शुभारंभ किया गया। यह बोर्ड अंत्योदय परिवारों के लिए अभी तक राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की निगरानी व समीक्षा करेगा।

अंत्योदय परिवार परिवहन योजना : हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना का शुभारंभ किया। योजना के तहत सालाना 1 लाख रुपये से कम आय वाले अंत्योदय परिवारों, जिनके 3 से अधिक सदस्य हैं, के हर सदस्य को हरियाणा रोडवेज की बसों में प्रतिवर्ष 1000 किलोमीटर तक निःशुल्क यात्रा करने की सुविधा दी जाएगी।

दुग्ध उत्पादन सहकारिता प्रोत्साहन योजना : मुख्यमंत्री अंत्योदय दुग्ध उत्पादन सहकारिता प्रोत्साहन योजना में उन अंत्योदय परिवारों को प्रोत्साहन दिया जाएगा, जो ऋण लेकर मिनी डेरी खोलना चाहते हैं। ऐसे परिवार जब मिल्क यूनियन में दूध बेचेंगे तो उन्हें एक साल तक दूध पर सहकारिता यूनियन के मूल्य से प्रति लीटर 10 रुपये ज्यादा दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजनाः मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना का भी शुभारंभ किया गया। इस योजना में 1.80 लाख रुपए से कम वार्षिक आय वाले परिवारों के 60 साल से अधिक आयु के सदस्यों को अयोध्या, वाराणसी आदि तीर्थों के दर्शन करवाए जाएंगे। आने-जाने का सारा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी।

सीएम मनोहर लाल ने कहा कि ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण राखीगढ़ी में म्यूज़ियम बनाया जा रहा है। राखीगढ़ी की तर्ज पर अग्रोहा में भी खुदाई की अनुमति मिल चुकी है। इससे क्षेत्र में पुरातात्विक विरासत को पहचान मिलेगी।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने किसानों से अपील की है कि वे पराली न जलाएं बल्कि उसका वाणिज्यिक उपयोग करें। इससे एक ओर जहां प्रदूषण से निजात मिलेगी, वहीं किसानों की आय में भी वृद्धि होगी।

किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ उठाएं पशुपालक

किसानों से आह्वान किया जाता है कि वे पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसानों को गाय, भैंस, भेड़, बकरी, सूकर, मुर्गी के रखरखाव के लिए तीन लाख रुपए तक का ऋण देने का प्रावधान है ताकि पशुपालकों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। छोटे किसानों को पशुपालन व अन्य स्रोतों से होने वाली आय को बढ़ाने के उद्देश्य से यह योजना क्रियान्वित की जा रही है।

पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसान अपने पशुओं की देखभाल के लिए होने वाले खर्च हेतु पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण प्राप्त कर सकता है। कोई भी पशुपालक 1 लाख 60 हजार रुपए तक की राशि की लिमिट तक का पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड बिना कोई जमीन गिरवी रखे व बिना किसी गारंटी के कोलैटरल सुरक्षा बनवा सकता है। यदि कोई पशुपालक इस राशि से अधिक लिमिट का पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड बनवाना चाहता है तो उसे अपनी जमीन या कोई जमानत देना अनिवार्य होगा।

ऋण का केवल 4 प्रतिशत ब्याज

यमुनानगर के उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड धारक को सालाना 7 प्रतिशत साधारण ब्याज दर पर बैंक द्वारा ऋण दिया जायेगा। यदि कार्डधारक अपने ऋण का समय पर भुगतान करता है तो उसे केंद्र सरकार की तरफ से 3 प्रतिशत ब्याज दर का अनुदान दिया जायेगा तथा उस पशुपालक को यह ऋण केवल 4 प्रतिशत के हिसाब से चुकाना होगा।

उन्होंने बताया कि 7 प्रतिशत ब्याज दर के हिसाब से अधिकतम 3 लाख रुपए तक की ऋण राशि पर केंद्र सरकार की ओर से 3 प्रतिशत ब्याज दर का अनुदान दिया जायेगा। कार्डधारक द्वारा ऋण की राशि जरूरत के अनुसार समय-समय पर ली जा सकती है और सुविधा अनुसार जमा करवाई जा सकती है। कार्ड धारक को ऋण राशि निकलवाने या खर्च करने के एक साल की अवधि के अन्दर किसी भी एक दिन लिये गये ऋण की पूरी राशि को जमा करवाना अनिवार्य ताकि साल में एक बार ऋण की मात्रा शून्य हो जाए।

यदि किसी पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड धारक द्वारा लिया गया ऋण एक साल की समय अवधि के दौरान वापिस जमा नहीं करवाया जाता है, तो उसे 12 प्रतिशत सालाना ब्याज की दर से ऋण का भुगतान करना होगा। पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड धारक को बाजार में प्रचलित अन्य किसी भी साधारण क्रेडिट, डेबिट कार्ड की भांति किसी भी एटीएम मशीन से राशि निकलवाने या बाजार से खरीददारी करने हेतु प्रमाणित लिमिट अनुसार प्रयोग कर सकता है।

पशुओं की भिन्न-भिन्न श्रेणियों और वित्तीय पैमाने की अवधि के अनुसार ही पशुपालक को पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड द्वारा ऋण दिया जाएगा। इच्छुक पशुपालक अपने नजदीकी राजकीय पशु चिकित्सालय या बैंक में जाकर पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन कर सकते है। आवेदन करने के लिए पशुपालक को अपने सभी दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, पशु का बीमा, पशु का हेल्थ सर्टिफिकेट आदि आवेदन पत्र सहित बैंक में जमा करवाना होगा।

-संवाद ब्यूरो

शुष्क भूमि क्षेत्रों में मिट्टी के स्वास्थ्य की देखभाल

शुष्क भूमि यानी वह क्षेत्र जहां बहुत कम वर्षा होती है। वैज्ञानिक तौर तरीकों से वर्षा की कमी के कारण मिट्टी की नमी को बनाये रखने का निरन्तर प्रयास किया जाता है। इसके लिए गहरी जुताई की जाती है और वाष्पीकरण को रोकने का प्रयत्न किया जाता है। किसी भी उपजाऊ जमीन या फसल के लिए कार्बनिक पदार्थ सबसे जरूरी होता है। इसके अलावा नाइट्रोजन, पोटाश, फास्फोरस, लौह तत्व, तांबा, जस्ता, मैंग्नीज, बोरान, मालिब्डेनम, क्लोरीन और निकिल की भी पौधों को जरूरत होती है। शुष्क क्षेत्रों में अधिक तापमान होने से जैविक पदार्थ की न्यूनता तथा मृदा की उर्वरता कम हो जाती है। कुछ आम उपाय

जल संचार व्यवस्थाः

एक महत्वपूर्ण पहला कदम है अच्छी जल संचार व्यवस्था की स्थापना करना। इसके लिए, वर्षा के पानी को संचित करने और अंतर्गत करने के लिए जल संचार के तंतु का उपयोग करें। खरपतवार मृदा नमी को वाष्पोत्सर्जन करके उड़ा देते हैं। अतः बारानी क्षेत्रों में सफल कृषि प्रबंधन के लिए खरपतवारों से वाष्पोत्सर्जन को रोकने व फसलों को उचित जगह, प्रकाश एवं पोषण प्रदान करने के लिए समुचित खरपतवार नियंत्रण आवश्यक है। गर्मी में गहरी जुताई करें व वर्षा उपरांत जुताई करके पाटा लगाकर मृदा नमी संरक्षण करना चाहिए।

खेत की उपयोगिता का मूल्यांकनः

शुष्क भूमि क्षेत्रों में किस प्रकार की खेती सबसे उपयोगी होगी, यह सोचने के लिए खेत की मूल्यांकन करें। इससे उपयुक्त पौधों का चयन कर सकते हैं। ढलान वाले खेतों में कृषि का पट्टीदार तरीका काम में लेना चाहिए। इसके अंतर्गत बाजरा, ज्वार, मक्का, आदि अनाज वाली फसलों की कतारों के बाद मूंग, उड़द, मूंगफली, सोयाबीन आदि फसलों की कतारों में बुवाई करते हैं।

समेकित पोषक तत्व प्रबंधनः

असिंचित क्षेत्रों की मृदाएं प्यासी ही नहीं परन्तु भूखी भी रहती हैं। क्योंकि इन क्षेत्रों में मृदा व जल अपरदन के कारण तथा कम पोषक तत्वों के प्रयोग से मृदा उर्वरता कमजोर रहती है। कृषि उत्पादकता, मृदा उर्वरकता तथा पर्यावरण संरक्षण को एक साथ समावेशित करने के लिए समेकित या एकीकृत पादप पोषक तत्व प्रबंधन की आवश्यकता है।

फसल विविधीकरणः

पारंपरिक फसल प्रणाली की जगह फसल विविधीकरण को अपनाकर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के अधिक दोहन को कम किया जा सकता है। धान-गेहूं की पोषक तत्व मांग भी अधिक है। फसल विविधीकरण से कार्बन का संचय एवं मृदा की उर्वराशक्ति बनी रहती है।

कृषि वानिकीः

मृदा संरक्षण का वास्तविक अर्थ केवल मृदा को ह्रास से बचाना नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता को भी बनाए रखना है। कृषि वानिकी से मृदा का संरक्षण भी संभव हो पाता है। पेड़ों की जड़ें मिट्टी को कटाव को रोक कर मृदा संरक्षण तो करती ही हैं साथ ही जैविक घटकों के कारण मिट्टी की उर्वरता भी बनी रहती है ।

संतुलित पोषक तत्वः

पोषक तत्वों की मात्रा मृदा परीक्षण के आधार पर प्रयोग करनी चाहिए। पोषक तत्वों की संतुलित मात्रा न केवल कम व निम्न गुणवत्ता का उत्पादन देती है, बल्कि मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों के भंडार का भी अत्यधिक दोहन करती है। जिन तत्वों को मॉग से अधिक मात्रा में डाला जाता है उनकी सम्पूर्ण मात्रा पौधे द्वारा अवशोषित नहीं हो पाती है।

जैव-उर्वरकः

यह उर्वरको वायुमण्डलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण, मृदा में उपस्थित फास्फोरस व अन्य पोषक तत्वों को पौधों के लिए उपलब्धता बढ़ाकर मृदा की उर्वरता एवं स्वास्थ्य को ठीक रखते है उदाहरण के लिए फली वाली फसलों में राइजोबियम का सबसे अधिक प्रयोग हुआ।

रासायनिक उर्वरकः

आधुनिक कृषि में खाद्यन्न उत्पादन के लिए रासायनिक उर्वरक एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। फसलें में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग वैज्ञानिक तरीके से करना चाहिए। नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम के लिए ' मशः यरिया, डीएपी और म्यरेट आफ पोटाश उर्वरक का प्रयोग किया जाता है। गंधक के प्रमुख स्रोत गंधक तत्व, जिप्सम एवं आयरन पाइराइटस है जिंक व आयरन की कमी को दूर करने के लिए ' मशः जिंक सल्फेट आयरन सल्फेट का प्रयोग किया जाता है।

उपरोक्त उपाय अपनाकर शुष्क क्षेत्रों में भूमि के स्वास्थ्य और गुणवत्ता को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। यह आपके उत्पादकता को बढ़ा सकता है और आपके कृषि उत्पादों की गुणवत्ता को बेहतर बनाया जा सकता है।

कृष्ण कुमार भारद्वाज, रोहतास कुमार और सुरेंद्र कुमार शर्मा

हरियाणा के ऊर्जा मंत्री रणजीत सिंह ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में बिजली का लाइन लॉस 2 प्रतिशत कम हुआ है तथा मौजूदा समय में बिजली विभाग लगभग 1,500 करोड़ के लाभ में है।

फरीदाबाद के नवीन नगर में एक नया पुलिस स्टेशन स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पुलिस विभाग के इस प्रस्ताव को प्रशासनिक मंजूरी दी है।

गन्ने का रेट हुआ 386 रुपए प्रति क्विंटल

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा अगले साल 400 रुपए में होगी खरीद

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश के गन्ना उत्पादक किसानों को दिवाली का तोहफा देते हुए गन्ने के मूल्य में बढ़ोतरी की घोषणा की है। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि इस वर्ष के लिए गन्ने का मूल्य अगेती किस्म के लिए 372 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 386 रुपए प्रति क्विंटल घोषित किया जाता है, जोकि 14 रुपए की पर्याप्त वृद्धि है।

मुख्यमंत्री ने अगले साल के लिए भी गन्ने के रेट में बढ़ोतरी की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष जिन दिनों गन्ने का रेट घोषित होता है, उन दिनों में आचार संहिता लगी होगी। इसलिए विभाग से परामर्श करके अगले वर्ष के लिए गन्ने का रेट 400 रुपए प्रति क्विंटल घोषित किया जाता है।

सरकार द्वारा लिए गए इस निर्णय का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गन्ना किसानों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए उचित मूल्य मिले। मुख्यमंत्री ने गन्ने की दरों में उल्लेखनीय वृद्धि करके गन्ना किसानों को प्रोत्साहित किया है और अगले वर्ष भी सरकार की ओर से समर्थन जारी रखने का वादा किया है।

मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश के किसान बहुत परिश्रम से खेती करते हैं और उपज बाजार में बेचकर हरियाणा की आर्थिक स्थिति मजबूत करते हैं। राज्य सरकार भी सदैव किसान हित में निर्णय ले रही, सरकार उनके कल्याण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इन्हीं प्रयासों के फलस्वरूप हरियाणा एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां 14 फसलों की खरीद एमएसपी पर की जाती है।

मसालों की खेती के लिए अनुदान

किसानों की आय में वृद्धि करने व फसल विविधिकरण के तहत लगाई गई बागवानी फसलों को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा मसालों की खेती पर अनुदान दिया जा रहा है।

किसानों को सब्जियों व फलों के भाव से जोखिम मुक्त कर उन्हें फसल का उचित दाम दिलाने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा अनुदान व भावन्तर भरपाई योजना चलाई जा रही है। इसी क्रम में अब बागवानी के क्षेत्र में मसालों की खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा 50 प्रतिशत का अनुदान दिया जा रहा है।

योजना के तहत लहसुन पर 30 हजार प्रति एकड़ तथा धनिया व मैथी पर 15 हजार प्रति एकड़ अनुदान दिया जा रहा है। वहीं सुगंधित पौधों जैसे मेंथा, लेमनग्रास, सिट्रोनेला की खेती पर 40 प्रतिशत की दर से 6 हजार 400 रुपए प्रति एकड़ अनुदान दिया जा रहा है।

एक किसान अधिकतम 10 एकड़ तक लाभ ले सकता है। योजना के लाभ लेने के इच्छुक किसान, किसान विभाग के पोर्टल hortnet.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं।

उत्पादन से पूर्व होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना के तहत उत्पादक किसान उपरोक्त फसलों का बीमा भी करवा सकते हैं। योजना का लाभ लेने के लिए उत्पादक को 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पर रजिस्ट्रेशन होने अनिवार्य हैं। जिला में इस योजना का लाभ उठाने के इच्छुक किसान इस विषय में और अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्यदिवस में जिला बागवानी अधिकारी के कार्यालय अथवा विभाग के टोल फ्री नम्बर 1800-180-2021 पर संपर्क कर सकते हैं।

मिलेट्स मिठाईयों की बढ़ती मांग

संगीता शर्मा

हरियाणा के किसानों व किसान उत्पादक संगठन की महिलाएं नित नए-नए प्रयास करते रहते हैं। दिवाली के अवसर पर इस बार उन्होंने मोटे अनाज के लड्डू व हर्बल मिठाईयां बाज़ार में उतारी हैं। अपने उत्पाद की मार्केटिंग व सेल में लगातार जुटे हुए हैं। मिलेट्स की फ़ायदे ग्राहकों को मिलेट्स लड्डू खरीदने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। यही कारण है कि मिलेट्स के लड्डू बनाने में जुटी महिलाएं दिन-रात काम कर रही हैं। इन लड्डुओं की बिक्री से किसानों को अधिक फ़ायदा हो रहा है। हरियाणा सरकार स्वयं भी लोगों को मोटे अनाज के सेवन करके बीमारियों से बचने के लिए प्रेरित कर रही है। दूसरी ओर, बाज़ार में खोये की अधिकतर मिठाईयां मिलावटी बिक रही है, जोकि स्वास्थ्य को ख़राब करती हैं।

हर्बल मिठाईयां बनी लोगों की पसंद

सोनीपत के किसान श्याम सिंह ने दीवाली के मौके पर खजूर पेठा, मिक्स स्वीट्स, हर्बल स्वीट्स, स्पेशल मिक्स स्वीट्स, पंच मुरब्बा, मिक्स फ्रूट जैली, शाही हर्बल स्वीट्स, आंवला मुरब्बा, आंवला बर्फी, आंवला लड्डू, आंवला कैंडी, आंवला जेली, सेब मुरब्बा, गाजर मुरब्बा, बेल मुरब्बा, हरड़ मुरब्बा, बांस मुरब्बा, गुलकंद के विशेष पैकज तैयार किए हैं। उन्होंने बताया कि कुछ उत्पाद जैविक है और लोग इनको बहुत पसंद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि गत वर्ष 8,000 मिठाई के डिब्बों की पैकिंग तैयार की थी और इस साल 15,000 का लक्ष्य रखा है। यह आसानी से पूरा हो जाएगा। उनका कहना है कि बाज़ार में खोये की अधिकतर मिठाईयां मिलावटी बिक रही है, इसलिए ग्राहक हर्बल मिठाईयों को पसंद कर रहे हैं।

उनका कहना है कि कोरोना के बाद लोग स्वास्थ्य के प्रति अधिक ज़ागरूक हो गए हैं और अच्छा, गुणवत्तायुक्त व स्वास्थ्यवर्धक चीज का सेवन करना पसंद करते हैं। श्याम सिंह ने 2001 से वर्मी कम्पोस्ट का काम स्टार्ट किया था उसके बाद 2002 से आंवला, धनिया, मोरिंगा, करूंदा, गाजर, हल्दी, एलोवेरा, गुलाब आदि की खेती स्टार्ट की। धीरे-धीरे खेती अच्छी होने लगी और मुनाफ़ा भी ठीक हो रहा था फिर किसानों को अपने साथ जोड़ना स्टार्ट किया जिसमें मेरे साथ 500 किसान जुड़े हैं और मैं उनसे आंवला, धनिया, मोरिंगा, करौंदा, गाजर, हल्दी, एलोवेरा, गुलाब मार्किट के हिसाब से खरीद कर बेचता और उनको भी टाइम से पैसा दे देता हूं। श्याम ने बताया कि 2013 से हिमांशु हर्बल के नाम से एक फर्म रजिस्टर करवाया और प्रोडक्ट बनाने का काम स्टार्ट किया। इसमें मैंने एक छोटी यूनिट अपने गांव में लगा रखी है। उसमें मैंने 25 लोगों को काम दे रेखा है और ये हिमांशु हर्बल को ऐमज़ॉन , फिल्पकार्ट आदि साईट पर अपने प्रोडक्ट को सेल कर रहा है। मार्किट में भी अच्छी डिमांड है प्रोडक्ट की ये हेर्बल प्रोडक्ट हैं। इससे मैं अच्छा कमा रहा हूं और किसानों को भी अच्छा मुनाफ़ा देता है। अभी कुछ समय पहले अंजीर, सेब, पपीता आदि की खेती करना शुरू किया है और साल का टर्न ओवर लगभग 70 लाख है।

महिलाएं जुटीं लड्डू बनाने में

महेंद्रगढ़ के बवानी गांव के 'बवानिया पिक्ल किसान उत्पादक संगठन' की डायरेक्टर बनारसी ने हरियाणा सरकार द्वारा सूरजकुंड में दिवाली मेले में बाजरे के लड्डू, गोंद के लड्डू व अन्य मोटे अनाज के लड्डू की स्टॉल लगाई। उन्होंने बताया कि मेले में लड्डू की इतनी अधिक मांग है कि बड़ी तेजी के साथ लड्डुओं की बिक्री हो रही है। स्वयं सहायता समूह की महिलाएं दिन-रात एक करके लड्डुओं को तैयार कर रही हैं। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से उनके पास तीन लाख रुपए के मोटे अनाज के लड्डू बनाने की मांग आई है। वह बताती है कि स्थानीय मिठाई विक्रेता व अन्य प्राइवेट लोग भी उनसे मोटे अनाज के लड्डू बनवा रहे हैं। बनारसी देवी का कहना है कि मोटे अनाज के लड्डू स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभदायी है, इसके चलते इन लड्डू की मांग अधिक बढ़ रही है।

मोटे अनाज के लड्डुओं की अधिक मांग

रेवाड़ी के बेहरमपुर गांव के ग्रीन लैंड आर्गेनिक स्टोर के जैविक किसान विक्की यादव ने दिवाली के अवसर पर नई मुहिम जारी की है और मोटे अनाज के लड्डू बनाकर बेच रहे हैं। इसमें गोंद के लड्डू, बाजरा के लड्डू, मिलेट्स लड्डू व तिल के लड्डू शामिल हैं। इनकी कीमत 1,250 रुपए किलो से 2,000 रुपए किलो तक है। उन्होंने बताया कि तीन क्वि ंटल मोटे अनाज के लड्डू की लक्ष्य रखा गया था, लेकिन मांग अधिक इतनी अधिक है कि पांच से छह क्विंटल मोटे अनाज मिठाई के लिए आसानी के प्रयोग हो जाएगा। विक्की यादव ने बताया कि प्रतिदिन लड्डुओं की बिक्री हो रही है। हरियाणा, दिल्ली, मुंबई, बंगलौर, महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश और अन्य जगहों में मोटे अनाज के लड्डू सप्लाई हो रहे हैं। विक्की यादव ने बताया कि वह खेती के साथ-साथ पशुपालन भी करते है और शुद्ध दूध से उन्होंने घर के लिए और रेगुलर व स्पेशल ग्राहकों के लिए मिठाई भी तैयार की है। बहुत कम मात्रा व मांग पर यह दूध की मिठाई तैयार करते हैं। उनका कहना है कि केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा भी मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे है, इसी कड़ी में हमारा भी नवाचार है। मोटे अनाज के सेवन से हम अनेक बिमारियों से बच सकते हैं। विक्की यादव ने बताया आर्गेनिक फीड नाम से ऑनलाइन वेबसाइट भी तैयार की है, जिससे माध्यम से भी अपने उत्पाद की बिक्री करते हैं।

साइबर सुरक्षा को मज़बूत करने के लिए पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने 30 नए वर्क स्टेशनों का हरियाणा 112 के कार्यालय में विधिवत शुभारंभ किया।

17 से 20 जनवरी 2024 तक फ़रीदाबाद में नौवां अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया जाएगा जिसमें विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे अंतरराष्ट्रीय शोध एवं उन्नति पर चर्चा होगी।

रन फॉर यूनिटी

राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्मदिन

हरियाणा प्रदेश में 31 अक्तूबर को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में उत्साह, जोश और धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेशभर में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर 'रन फॉर यूनिटी' में हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्रदेशवासियों में असीम उत्साह और जोश देखा गया। अखंड भारत के निर्माण में अपना अभूतपूर्व योगदान देने वाले लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को हरियाणा के कोने-कोने से श्रद्धांजलि दी गई।

ट्राइडेंट हिल्स, पिंजौर में सरदार वल्लभभाई की जयंती के अवसर पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' को झंडी दिखाने उपरांत भारी संख्या में उपस्थित बच्चों और युवाओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल भारत की एकता के सूत्रधार थे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का निर्माण करवाकर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी है।

मनोहर लाल ने कहा कि भारत के इतिहास में सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। वे नवीन भारत के निर्माता थे और देश की आजादी के संघर्ष में उन्होंने जितना योगदान दिया, उससे ज्यादा योगदान उन्होंने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी के समय देश छोटी-बड़ी रियासतों में बंटा हुआ था और उन्होंने निर्विवाद तरीके से सभी रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर संविधान के अंतर्गत कायम व्यवस्था में लाकर देश की एकता और अखंडता को सुनिश्चित किया। मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल से कम नहीं हैं। नरेंद्र मोदी ने देश हित में अनेक कड़े फैसले लिए हैं और देश की जनता ने उन फैसलों को सहर्ष स्वीकार भी किया है। देशहित में प्रधानमंत्री ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 व 35 ए को खत्म करने का एक ऐतिहासिक निर्णय लिया जिसे हर देशवासी ने सराहा है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चंडीगढ़ स्थित हरियाणा सिविल सचिवालय में राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित शपथ समारोह के दौरान राष्ट्रीय एकता दिवस पर देश के प्रथम गृह मंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को याद करते हुए उन्हें शत-शत् नमन किया।

पुलिस मुख्यालय में मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस

हरियाणा पुलिस द्वारा लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर पुलिस मुख्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने पुलिस मुख्यालय में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारियों व कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस तथा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत अपना कार्य पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर पुलिस मुख्यालय के लगभग 200 पुलिसकर्मियों ने भाग लिया।

पर्यावरण के प्रति सजग हैं हम

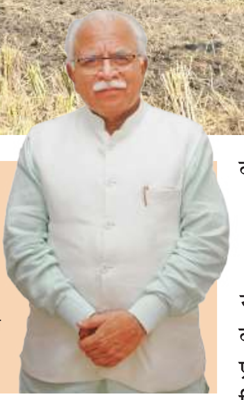

प्रदूषण की वजह से एक बार फिर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सांसें अटकी हैं। हरियाणा के 14 जिले इस परिधि में आते हैं। धान फसल कटाई के बाद अक्सर ऐसा होता है। खेतों में पराली जलाई जाती है जिसके कषैले धूएं से वातावरण दमघोंटू हो जाता है। प्रदूषण की वजह केवल पराली का धुआं नहीं है, बल्कि अन्य कारक भी हैं। मौसम विज्ञानियों के माने तो धूएं व धूल के कण हवा की मंद गति व आर्द्रता की वजह से जमीनी सतह पर ठहर जाते हैं जिसकी वजह से प्राणी जगत की श्वसन प्रक्रिया बाधित होती है। श्वास रोगियों के अलावा बच्चों व बुजुर्गों को ज्यादा तकलीफ होती है। अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ने लगती है तथा इस विषय पर राजनीति होने लगती है।

मनोहर सरकार ने इस विषय को गंभीरता से लिया है। समस्या के स्थाई समाधान के लिए चौतरफा प्रयास किए गए हैं और किए जा रहे हैं, जिनका परिणाम यह है कि प्रदेश में पराली जलाने के मामलों में अप्रत्याशित कमी आई है। किसानों को जागरूक किया गया है। पराली जलाने से हानि और पराली के सदुपयोग से लाभों के बारे में बताया गया है। फसल विविधिकरण अपनाया गया है।

प्रदूषण राजनीति का विषय नहीं: सीएम

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण का मामला राजनीतिक विषय नहीं है, लेकिन फिर भी कुछ नेता इस पर राजनीति कर रहे हैं, जो उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में काफी कमी आई है, जबकि पंजाब में पराली जलाने की घटनाएं ज्यादा हैं। नासा की रिपोर्ट से भी यह साबित हो चुका है। समस्या के समाधान के लिए हम सभी को मिलकर काम करने की जरूरत है।

हरियाणा में 36.5 लाख एकड़ धान की खेती होती है। जिसमें 18.36 लाख एकड़ बासमती की खेती और लगभग 18.2 लाख एकड़ गैर-बासमती की खेती शामिल है।

राज्य सरकार के मुख्य सचिव संजीव कौशल के मुताबिक क्षेत्र की वायु गुणवत्ता सूचकांक बनाए रखने के प्रति राज्य सरकार सतर्क है। पिछले वर्ष की तुलना में 2023 में पराली जलाने की घटनाओं में 38 प्रतिशत की कमी आई है, पिछले दो वर्षों में 57 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

पराली प्रबंधन योजनाओं के लिए 600 करोड़ की सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। किसानों को मशीनें उपलब्ध करवाई जा रही हैं। सब्सिडी प्रदान की जा रही है। वाणिज्यिक उपयोग बढ़ाने के लिए एथेनॉल, एनर्जी प्लांट, ब्रिक्स इत्यादि में पराली के उपयोग की संभावनाओं को बढ़ाना देना सरकार का उद्देश्य है।

प्रदूषण के अन्य कारकों पर भी नियंत्रण के प्रयास किये जा रहे हैं। पंजीकृत वाहनों पर होलोग्राम आधारित रंगीन स्टिकर लगाने के संबंध में 14 नवंबर, 2018 से 31 जनवरी, 2023 के बीच एनसीआर जिलों में लगभग 10 लाख वाहनों को कलर-कोड किया गया है।

साइबर अपराध से बचने के लिए डायल करें 1930

कुरुक्षेत्र पुलिस द्वारा राहगिरी कार्यक्रम के तहत साइबर अपराध व नशे की बुराई को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भोरिया के आदेशानुसार राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल बोहली में बच्चों को जागरूकता का संदेश दिया। राहगिरी में स्कूली बच्चों को साइबर, यातायात नियम और नशे जैसे अहम विषयों पर सावधान रहने के लिए कहा गया।

हरियाणा उदय के तहत आयोजित राहगिरी में बच्चों को संबोधित करते हुए पुलिस प्रवक्ता नरेश सागवान ने कहा कि साइबर ठगी से जहां पैसों की हानि होती है वहीं सड़क दुर्घटनाओं से नुकसान पहुंचता है। इसलिए हमें चाहिए कि हम यातायात नियमों की पालना करें ताकि हम खुद भी सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सुरक्षित रहने का मौका दें। हमें यातायात नियमों की पालना करके देश और समाज को आगे बढने में अपना योगदान देना चाहिये। इसलिए वे यातायात नियमों की पालना करके खुद सुरक्षित रहें तथा दूसरों को भी सुरक्षित रहने का मौका दें ।

नरेश सागवाल ने कहा कि साइबर ठगी से बचने का सबसे अच्छा तरीका है जागरूकता । यदि हम ऑनलाइन कार्य करते हुए सावधान और सतर्क रहते हैं तो इस प्रकार के अपराधों से बच सकते हैं। विद्यार्थियों को यह जानकारी दूसरों के साथ साझा करनी चाहिए ताकि हर व्यक्ति तक यह जानकारी पहुंच सके और साइबर ठगों से बचा जा सके। साइबर ठगी का शिकार होने पर हैल्प लाईन नम्बर 1930 पर अपनी शिकायत दर्ज करवाएं। उन्होंने बताया कि हरियाणा पुलिस 1930 के माध्यम से आमजन के करोड़ों रुपए बचा चुकी है। कार्य म में हरिकेश पपोसा ने सभी को नशा न करने का संकल्प करवाया।

स्कूल प्राचार्या डॉ सुदेश कुमारी ने सभी मेहमानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राहगिरी ऐसा मंच है जिसमें मनोरंजन के साथ- साथ सामाजिक विषयों पर आमजन को जागरूक किया जाता है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक सन्देश दे रहा है ये एक अच्छी पहल है।

अंबाला छावनी में बाढ़ नियंत्रण प्रबंधों को मजबूत करने के लिए 48.43 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी मिली है। सूखा राहत और बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की बैठक में इन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

हरियाणा के में रहने वाले नागरिकों को स्वच्छ माहौल मुहैया करवाते हुए अब तक 5,411 गांवों ने ओडीएफ प्लस का दर्ज़ा हासिल कर 79.63 प्रतिशत की सफलता हासिल कर ली है।

नेशनल गेम्स में हरियाणा का रहा दबदबा

संगीता शर्मा

गोवा में जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 37वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन करते हुए कहा कि सरकार ने पिछले नौ वर्षों में खेलों पर खर्च तीन गुना बढ़ाया और दोहराया कि भारत 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार है। मोदी ने कहा कि इन खेलों का आयोजन तब किया जा रहा है जब भारतीय खेल नई ऊंचाइयां छू रहे हैं। मोदी ने कहा, 'हमने खिलाड़ियों को वित्तीय लाभ दिलाने के लिए योजनाओं में बदलाव किया है।' हाल ही में देश ने चीन के हांगझोऊ में हुए एशियाई खेलों में 107 पदक जीते। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में खेल प्रतिभा की कमी नहीं है तथा देश ने खेलों में कई चैंपियन तैयार किए हैं। राष्ट्रीय खेलों में हरियाणा ने रिकॉर्ड 193 पदक जीतते हुए अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। जिनमें से 62 स्वर्ण पदक, 55 रजत और 75 कांस्य पदक हैं। राष्ट्रीय खेलों में हरियाणा के युवा खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर राज्य के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सभी खिलाड़ियों, कोचों व तमाम फेडरेशन के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं।

इनमें फेंसिंग में तनिक्षा खत्री ने गोल्ड मेडल जीता जबकि पुरुष वर्ग में देव नरवाल ने कांस्य पदक जीतने में सफलता हासिल की है। जिम्नास्टिक में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी योगेश्वर सिंह ने प्रदेश को स्वर्ण पदक दिलाया। मॉडर्न पेन्थालोंन एथलीट में खिलाड़ी उजाला ने स्वर्ण, अजय कुमार ने रजत पदक व रवि ने कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया।

महिलाओं की 10 मीटर पिस्टल शूटिंग में हरियाणा ने तीनों पदक जीतकर इतिहास रच दिया। खिलाड़ी पलक ने स्वर्ण पदक, रिदम सांगवान ने रजत पदक और दृष्टि सांगवान ने कांस्य पदक प्रदेश को दिलाया। हरियाणा महिला फुटबॉल टीम ने पश्चिम बंगाल को हराकर कांस्य पदक जीतने में सफलता हासिल की है।

एथलीट, शूटिंग और कुश्ती में जीते स्वर्णः गतका टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार राष्ट्रीय खेलों में दो कांस्य पदक प्रदेश की झोली में डालने का काम किया। शूटिंग के पहले दिन हुए मुकाबले में सागर भार्गव ने प्रदेश के लिए स्वर्ण पदक जीता,

कुश्ती के मुकाबले में 97 किलोग्राम भार वर्ग में नितेश ने स्वर्ण, 77 किलोग्राम भार वर्ग में विकास ने और 68 किलोग्राम भार वर्ग में आरजू ने स्वर्ण पदक जीता। जबकि 125 किलोग्राम भार वर्ग में सुमित मलिक ने प्रदेश को रजत पदक दिलाया। इनके अलावा 97 किलोग्राम भार वर्ग में रोहित बूरा, 86 किलोग्राम भार वर्ग में राकेश, 76 किलोग्राम भार वर्ग में दीपक पूनिया, 68 किलोग्राम भार वर्ग में स्वाति बेरवाल, 50 किलोग्राम भार वर्ग में स्वीटी ने प्रदेश के लिए कांस्य पदक जीते।

जैवलिन थ्रो में शिल्पा रानी ने स्वर्ण पदक व प्रियंका सिंह ने रजत पदक, शॉट पुट में मनप्रीत ने रजत पदक, 400 मीटर की रेस में विक्रम पंचाल ने रजत पदक, हैमर थ्रो में अजय ने रजत पदक व हेमथोलोन में तनु ने प्रदेश को रजत पदक दिलाया।

ताइ• इंडो में गोल्डः

62 किलो भार वर्ग में मनीषा ने, 76 किलो भार वर्ग में रितिका हुड्डा और 130 किलोग्राम भार वर्ग में प्रवेश ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि 67 किलो भार वर्ग में अनिल ने, 57 किलोग्राम भार वर्ग में उदित ने, 97 किलोग्राम के भार वर्ग में विक्की और प्रवीण चाहर ने प्रदेश को कांस्य पदक दिलाया।

महिला रोइंग टीम ने जीता स्वर्णः

हरियाणा की महिला टीम ने डबल्स इवेंट में प्रदेश को स्वर्ण पदक दिलाया। टीम की खिलाड़ी सविता और दीक्षा ने जबरदस्त खेल का परिचय देते हुए दूसरे राज्यों की टीमों को पछाड़ दिया। एथलेटिक्स के जैवलिन थ्रो में शिल्पा ने स्वर्ण पदक, जबकि प्रियंका ने रजत पदक जीता।

एथलेटिक्स इवेंट :

एथलेटिक्स में हरियाणा की ओर से विक्रांत पांचाल, निधि, निर्भय और मनप्रीत ने रजत पदक अपने नाम किए जबकि हरदीप के खाते में कांस्य पदक आया। फेनसिंग में कुल दो स्वर्ण तथा 4 कांस्य पदक हरियाणा के खाते में आए हैं। टीम इवेंट में तनिष्का खत्री, शीतल दलाल, प्राची लोहान और तन्नू गुलिया विजेता टीम का हिस्सा रही। जिमनास्टिक इवेंट में अम्बाला के योगेश्वर ने दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता। इनके अलावा, गुरुग्राम की लाइफ अदलखा ने भी रिबन इवेंट में स्वर्ण पदक जीत कर पदक तालिका में मेडल बढ़ाया। रोइंग के सिंगल इवेंट में प्रदेश की खिलाड़ी सुमन देवी ने स्वर्ण पदक जीत कर इतिहास रचा जबकि मिक्स्ड टीम इवेंट के मुकाबले में किरण व हरविंदर चीमा ने प्रदेश की झोली में कांस्य पदक डाला। उधर, शूटिंग के रैपिड फायर पिस्टल के 25 मीटर इवेंट में अनीश भनवाला ने प्रदेश को रजत पदक दिलाया जबकि आदर्श सिंह ने कांस्य पदक जीता।

जन समाधान का मंच बना जनसंवाद

ऊपर से भेजा गया 100 का 100 पैसा धरातल पर पहुंचता हैः मनोहर लाल

मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा लोगों की समस्याएं सुनने के लिए आरम्भ किए गए जन संवाद कार्यक्रम को लोग जन समाधान के रूप में देख रहे हैं और खुले मन से मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी समस्याएं रख रहे हैं। मुख्यमंत्री भी मौके पर ही उनकी समस्याओं का समाधान करने के साथ-साथ उन्हें नई-नई विकास परियोजनाओं की सौगात दे रहे हैं।

यमुनानगर के सढौरा विधानसभा क्षेत्र के पाबनी कलां गांव में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में सरपंचों व अन्य अतिथियों द्वारा गांव में फिरनी के संबंध में रखी गई समस्या का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि साढौरा विधानसभा के सबसे अधिक आबादी वाले 5 गांवों की फिरनियों को पक्का किया जाएगा। इसके उपरांत अन्य गांवों को भी अगले चरण में लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने लोगों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार के अब तक के 9 साल के कार्यकाल में हर क्षेत्र में भरपूर विकास कार्य हुए हैं और वह भी पिछली सरकार की तुलना में काफी कम बजट में हुए हैं। क्योंकि अब ऊपर से भेजा गया 100 का 100 पैसा धरातल पर पहुंचता है, जबकि एक पूर्व प्रधानमंत्री ने स्वयं स्वीकार किया था कि केंद्र से भेजे गए 100 पैसे में से मात्र 15 पैसे ही धरातल तक पहुँच पाते है, बाकी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाते हैं। हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार पर लगाम कसी है, जिसके फलस्वरूप आज विकास के लिए भेजा गया एक-एक पैसा विकास कार्यों पर ही खर्च हो रहा है।

गन्ने का रेट सर्वाधिक

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने हाल ही में गन्ना किसानों को एक बड़ा तोहफा देते हुए गन्ने के मूल्य में अभूतपूर्व वृद्धि करते हुए 372 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ा कर 386 रुपए प्रति क्विंटल किया है। इतना ही नहीं अभी से अगले वर्ष के लिए गन्ने का मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित कर दिया है, जो कि देश में सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि कोई भी प्रदेश इस बारे में कल्पना भी नहीं कर सकता था कि गन्ने के भाव की घोषणा अगले वर्ष के लिए की जा सकती है। यह सरकार की किसान हितैषी सोच को दर्शाता है।

आयुष्मान का पूरा लाभ

कोई भी गरीब व्यक्ति पैसे के अभाव में इलाज से वंचित न रहे, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान भारत योजना लागू की, जिसके तहत गरीब परिवारों को सालाना 5 लाख रुपए तक की निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। पाबनी कलां में 95 लोगों ने इस योजना का लाभ उठाया है और सरकार द्वारा उनके इलाज पर 28.52 लाख रुपए की राशि खर्च की गई है। पाबनी कलां में एक व्यक्ति ने कहा कि उनकी पत्नी सत्या देवी के ईलाज के लिए 3.77 लाख रुपए खर्च हुए जिसके लिए उनका एक भी पैसा नहीं लगा, सारा खर्च सरकार ने किया।

मनोहर वंचितों के साथ

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि आज 60 साल पूरे होते ही वृद्धा सम्मान भत्ता योजना में लाभार्थी का नाम ऑटोमोड में शामिल होता है। मुख्यमंत्री ने आज भी पाबनी कलां के 10 व्यक्तियों को मौके पर ही पेंशन के प्रमाण पत्र सौंपे। इनमें जगमाल सिंह, राम कुमार, सुरेश कुमार, प्रेम, सुरेन्द्र, मोती राम, जोगेन्द्र, पवन कुमार, रोशनी देवी, अशोक कुमार शामिल थे। मुख्यमंत्री के इस कार्य शैली से लोग गदगद नजर आए। मुख्यमंत्री ने एक सरपंच की मांग पर गांव के दिव्यांग बच्चे के लिए मुफ्त ट्राई-साइकिल देने की मांग को तुरंत स्वीकार करते हुए रेड' ास सोसायटी को ट्राई-साइकिल देने के निर्देश दिए। क्योंकि इस बच्चे को पढ़ाई के लिए आने-जाने में कठिनाई का सामना करना पड़ता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि असहाय, पीड़ित व वंचित का कोई हो या न हो, मनोहर उनके साथ अवश्य है।

'बिन खर्ची बिन पर्ची' से खुश हुए लोग

रोजगार पर बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 9 साल के कार्यकाल में प्रदेश में मैरिट के आधार पर सरकारी नौकरियां दी गई है जबकि पूर्व की सरकारों में सिफारिश और पैसे के बल पर नौकरी दी जाती थी। इस पर गांव के युवा ने खड़े होकर प्रदेश में पारदर्शी तरीके से नौकरी देने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। मनोहर लाल ने कहा कि पाबनी कलां गांव में 6 युवाओं की और जबकि पूरे जिला में 1952 लोगों को बिना खर्ची और पर्ची के सरकारी नौकरी का लाभ मिला है।

-विशेष प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने दीपावली पर सफाई कर्मचारियों, चौकीदारों और ट्यूबवेल ऑपरेटरों को दीपावली की मिठाई के लिए 501 रुपये देने की घोषणा की।

हरियाणा सरकार ने 80 साल के बुजुर्गों की देखभाल के लिए योजना बनाई है। उनके लिए सेवा आश्रम योजना के तहत रहने की व्यवस्था की जाएगी।

हरियाणवी संस्कृति और उर्दू का रिश्ता

विश्व में हरियाणवी और उर्दू संभवतः ऐसी भाषाएं हैं जिनके संज्ञा, सर्वनाम, क्रियापद और वाक्य रचना पूर्णतः समान होने के बावजूद उन्हें दो अलग-अलग भाषाएं माना जाता है।

कुछ लोग हिन्दी और उर्दू को एक ही भाषा की दो शैलियाँ मानते हैं और उनके बीच लिपिभेद को ही बुनियादी भेद समझते हैं क्योंकि हरियाणवी देवनागरी लिपि में और उर्दू को फारसी की नस्तालीक लिपि में लिखी जाती है।

दरअसल इन दो भाषाओं के बीच का रिश्ता केवल भाषा या साहित्य तक ही सीमित नहीं है, उर्दू-हरियाणवी संबंध पिछली चार सदियों के दौरान विकसित हुआ है और इसी कालावधि में इन दोनों के बीच दूरी बढ़ती गई है। देश के विभाजन, पाकिस्तान की मांग के साथ उर्दू का जुड़ाव और विभाजन के बाद उसका पाकिस्तान की राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा बनना भी हिन्दी और हरियाणवी के साथ साथ पाकिस्तान के मुल्तान में भी हरियाणवी का बोलबाला होने के साथ उसके संबंध को प्रभावित करता रहा है।

अमृतराय ने गहन शोध के आधार पर स्पष्ट रूप से दर्शाया है कि सत्रहवीं सदी के अंत और अट्ठारहवीं सदी के आरंभ में ही रेख्ते,उर्दू या हिंदवी में से संस्कृत मूल के शब्दों को निकाल बाहर करने की प्रवृत्ति विकसित होने लगी थी। इसलिए जब 1800 में अंग्रेजों ने कलकत्ते में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना के साथ ही हिन्दुस्तानी और उर्दू को दो पृथक भाषाओं के रूप में अलग करके विभाजन की औपचारिक नींव डाली, तब से उनके साहित्यिक रूप एक-दूसरे से बिलकुल भिन्न और विचार की भाषा के रूप में भी आज हरियाणवी और उर्दू एक-दूसरे से नितांत भिन्न हैं।

फिराक गोरखपुरी जैसे शीर्षस्थ कवि की भी यह मान्यता थी, और इस मामले में उनके विचार अमृतराय के काफी मिलते हैं, कि उर्दू ने स्थानीय बोली और संस्कृति से अपना दामन बचा कर रखा जिसके कारण उसकी कविता में भारत की मिट्टी की वैसी सोंधी महक नहीं आ पायी जैसी आनी चाहिए थी।

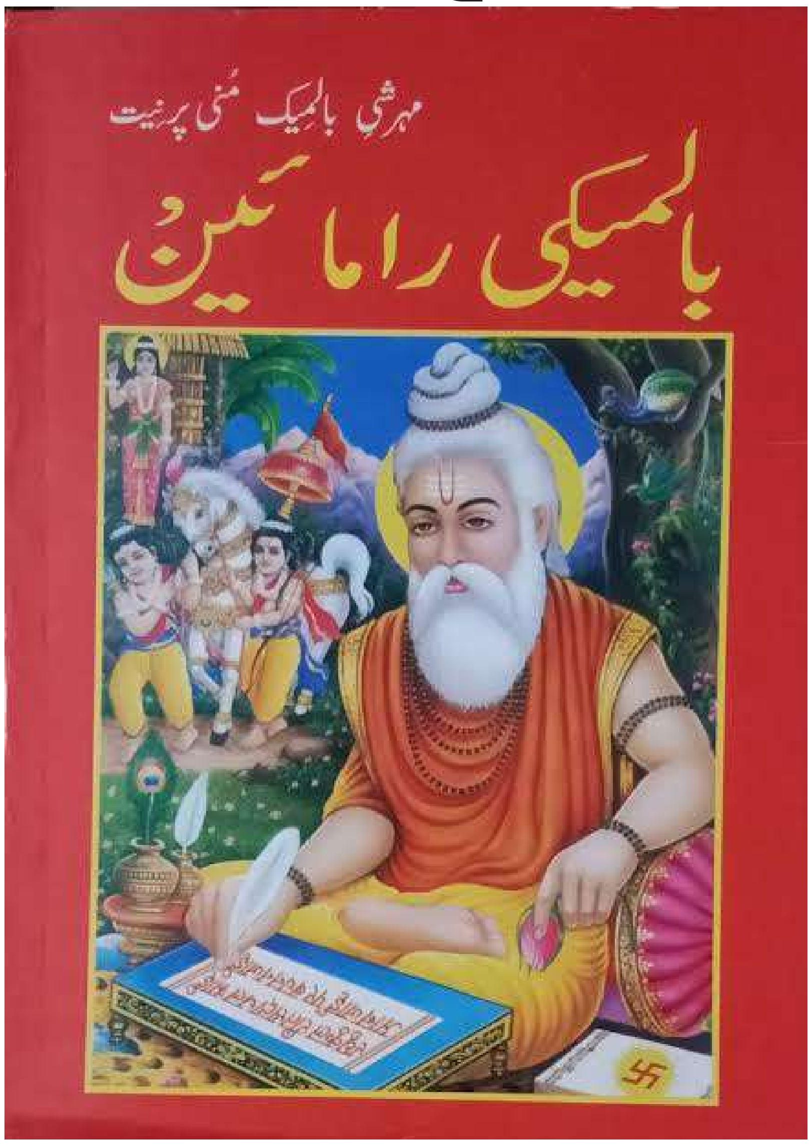

इस कारण वह शहरी अभिजात वर्ग की साहित्यिक भाषा बनकर रह गई। यदि इस दृष्टि से देखें तो हरियाणवी इससे मुक्त रही है। उसने अवधी, ब्रज, मैथिली, भोजपुरी, राजस्थानी और खड़ीबोली, सबकी भाषिक और साहित्यिक संपदा को अपनाया। हालांकि जिसे आज हम हरियाणवी कहते हैं, वह खड़ी बोली का ही परिष्कृत रूप है।

आज हिन्दी साहित्य के पाठ्यक्रम में सभी स्तरों पर अमीर खुसरो, लखमीचंद, कबीर, रैदास, मलिक मुहम्मद जायसी, सूरदास, तुलसीदास, रहीम, रसखान और विद्यापति जैसे कवियों को शामिल किया जाता है जो खड़ीबोली के ही नहीं बल्कि अवधी, ब्रज, मैथिली आदि भाषाओं के कवि हैं, लेकिन उर्दू के पाठ्यक्रम में इस विरासत को स्वीकार नहीं किया जाता। अमीर खुसरो को हरियाणवी/उर्दू का पहला कवि तो माना जाता है लेकिन उनके बाद के विकास का इतिहास दोनों भाषाओं में अलग-अलग है।

विडम्बना यह है कि खड़ीबोली हिन्दी में भी उसी तरह की प्रवृत्ति ने जड़ जमा ली है जिसके कारण अठारहवीं सदी और उसके बाद के काल में उर्दू से संस्कृत और स्थानीय बोलियों के शब्दों को निकाला गया। दूसरा बदलाव यह हुआ कि बहुत-सा उर्दू साहित्य देवनागरी लिपि में छप कर सामने आया और हिन्दी पाठकों के बीच लोकप्रिय हुआ है। आज मीर, गालिब, इकबाल, फिराक, फैज, इंतजार हुसैन, अहमद फराज और फहमीदा रियाज को जितना हरियाणवी के पाठक पढ़ रहे हैं, उतना शायद उन्हें उर्दू के पाठक भी न पढ़ रहे हों। नतीजा यह है कि वे पाठकों के जरिये एक दूसरे के नजदीक भी आ रही हैं। भाषाई स्तर पर 'जितना गहरा रिश्ता उर्दू और हिन्दी में है शायद दुनिया की किसी भी भाषा में नहीं है।'

हरियाणवी और उर्दू के दरम्यान भाषाई

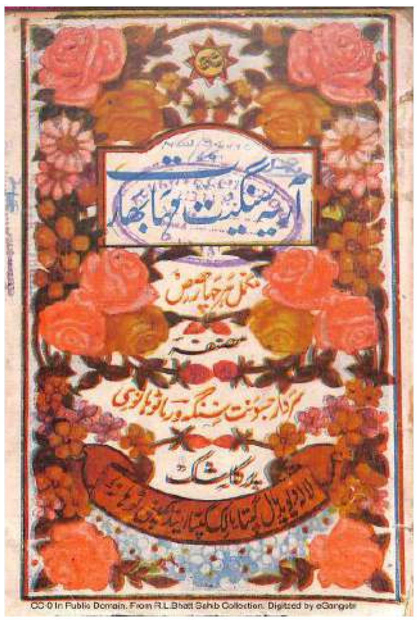

रिश्ता एक ऐतिहासिक तत्व है क्योंकि दोनों भाषाओं का स्रोत (खड़ी बोली) है। दोनों भाषाओं का उत्थान उत्तर भारत में हुआ मगर इनका पराभव भारत के दूसरे राज्यों में भी एक समान देखने को मिल सकता है जो भौगोलिक इकाई की एकरूपता के साथ-साथ सांस्कृतिक भिन्नता को अपने अन्दर समेटे था। लोक भाषाओं के मिश्रण से जो भाषा जन्म ले रही थी ,वही उर्दू और प्राचीनतम हिन्दी या हिन्दवी कहलायी और शायद यही वजह है कि उर्दू को प्रारम्भ से ही साझा संस्कृति की भाषा के रूप में पहचान मिलना शुरू हो गयी थी।

किसी भी भाषा का स्वरूप, उच्चारण,व्याकरण एवं उसकी बनावट पर निर्भर है। इन दोनों भाषाओं के उदय में इनकी प्रखरता एवं बनावट में एक प्रकार का सम्मोहन है। व्याकरण के अतिरिक्त हिन्दी और उर्दू की बुनियादी शब्दावली एक जैसी है और दैनिक उपयोग में आने वाले शब्द और मुहावरे लगभग एक जैसे हैं।

अपनी तमामतर समानताओं के बावजूद यह प्रश्न आज भी विचारणीय बना हुआ है कि दोनों भाषाएं अपना अलग अस्तित्व स्थापित करने में क्यों सफल हुईं। इसका एक सामान्य कारण लिपि है जो दोनों को अलग दृष्टिकोण प्रदान करता है जैसा हमें मालूम है कि हरियाणवी की लिपि देवनागरी और उर्दू की लिपि फारसी है। मगर यह विडम्बना ही है कि मौजूदा दौर में दोनों भाषाओं का स्टाइल भी परिवर्तित होता जा रहा है।

महात्मा गाँधी ने इस भाषाई भिन्नता को समाप्त करने के लिए इसका नामाकरण हिन्दुस्तानी के रूप में किया। हमारे संविधान में हिन्दी और उर्दू को अलग-अलग भाषा के रूप में स्थापित किया जा चुका है। अपने तमाम विरोधी अस्थिरताओं के बावजूद हिन्दी और उर्दू का भाषाई सम्बन्ध स्थिर बना हुआ है। यह सम्बन्ध यह सन्देश भी है कि भाषाई पहचान को धार्मिक पहचान के अन्तर्गत नहीं आना चाहिए। यह सम्बन्ध हमें इस प्रश्न पर बार-बार विचार करने की प्रेरणा भी देता है कि धार्मिक अस्मिताएँ, भाषाई अस्मिता के साथ ही पहचानी जायेगी या इसका एक अलग अस्तित्व भी तमाम अंतर्विरोधों के बावजूद स्थापित रहेगा और भाषा -ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना की अभिव्यक्ति की पहचान के रूप में स्थापित रहेगी।

खान मनजीत भावड़िया मजीद

सुण छबीले बोल रसीले

जिंदगी मिलेगी ना दोबारा

छबीले, भाई क्यूकर दुखी होर्‌या सै?

- रसीले, सरकार की तरफ तैं मकान की मरम्मत के कुछ पीस्से मिल्ले थे। छात पक्की करवाणी सै और दो भीत नई करवाणी सैं। सारे गाम में हांड लिया। ना तो मिस्त्री मिल्या और ना मजदूर। कई दिन तैं हांडण लागर्‌या सूं।

- आच्छा रै इसा के होया? परले हेर में निरे बालक हांडैं सैं। कोई काम करण नै त्यार कोन्या?

- ना रसीले, कह-सुणकै एक मिस्त्री नै हां भर ली थी,पर मजदूर कोन्या बण्या। उस हेर में भी गया था, उड़ै कुछ माणस थे। तीन-चार टोलियां में ताश खेल्लण लागरे थे। काम की बात करी, पर किसे नै हां ना भरी। हां के, बात करणनै त्यार कोन्या होए। न्यू बोले टैम कोन्या। एक तो न्यूए बोल्या अक मोदी नै अनाज फ्री कर राख्या सै। इब कोय टेंशन कोन्या।

- छबीले, वे ए लोग न्यू कहण लागज्यां सैं अक वे तो बेरोजगार सैं। काम नहीं करैं और आपणे आपे नै बेरोजगार बतावैंगे। देख किसा जमाना आग्या।

- भाई सबनै बिना करे सबकुछ चाहिए। अनाज की चिंता खत्म, साग वारे खर्चें का कोई ना कोई जुगाड़ होज्या सै। और नहीं तो खेत में तैं हरा बथुआ सरसम तोड़ ल्यावैंगे या गाजर मूली ले आवैंगे। काम चालज्या सै।

- आज काल गाम में कितोड़ देख ले। जितोड़ भी चिनाई लागरी सै, बाहर के मजदूर काम लागरे सैं। चिनाई के मिस्त्री भी शहर में जाकै लेबर चौंक पर तैं ले आवैं सैं। क्यूं, मिस्त्री भी कोन्या रहे। पुराने रहे नहीं और नए बालक सीखते नहीं। और तो और खेतां में देख ले। धान की कटाई जोरां पै है। नब्बे परसेंट खेतां में बिहार यूपी के मजदूर काम लागरे सैं। मंडी में चले जाओ तो उड़ै भी बाहर के मजदूर झराई करते पावैं सैं।

- और फेर वे लोग न्यू कहैं सैं, काम धंधे कोन्या रहे। गरीब परिवारां की बात छोड़ भाई, जो जमींदार लोग सैं, उनके परिवार कितोड़ खेतां में नजर आवैं सैं। वे भी घरां बैठे हुकम चलावैं सैं। सारे काम मशीनगरी के जरिए होगे और मजदूर मिलज्या सैं। मौज ए मौज।

- मंडी में जिनस जाते ही पेमेंट खाते में आज्या सै। जै खेत में पानी का, हवा का या सूखे का नुकसान होज्या तो फसल भरपाई योजना और भावांतर भरपाई योजना के तहत मुआवजा मिलज्या सै। कहण की बात जमीन आल्यां नै तो कोई फर्क कोन्या पड़ता, पर मजदूरी करण आल्यां नै तो काम करणा चाहिए।

- बेरा ना छबीले, सबकी आपणी-आपणी सोच सै। पर एक बात और भी सै, खाणा, सोणा और ताश खेलणा तक सीमित रहण आले धरती के बोझ ईब कम सैं। आजकाल की जनरेशन नै देखैं सैं तो वे इसे कोन्या, बोहत फर्क सै। बहुत कम निरभाग सैं जो सारा दिन धड़ी-पक्का खाकै खाट नै तोड़ै सैं और मोबाइल फोन में माथा मारे जा सैं। बहुत बालक ईब पढैं सैं। वे दुनियादारी नै देखकै उत्साहित सैं, अक उननै भी कुछ करणा चाहिए। और फेर सरकार की योजनाओं का फायदा लेण की भी पूरी-पूरी कोशिश करैं सैं।

- पिछले आठ दस सालां में बालक पढ़ण तो खूब लागे भाई। नए बालक सामाजिक हिसाब-किताब नै समझैं भी सैं। वे बिना किसे तैं लड़ाई झगड़ा करे जिंदगी में कुछ बणना चाहवैं सैं। आपणे लिए और आपणे परिवार के लिए कुछ करणे की उनके दिल में हकूक सै।

- पर रसीले बहुत से बालकां नैं परिवार का माहौल सही नहीं मिलता। बहुत से मां-बाप भी सैं जो खुद तो गलत हों सैं और बालकां गेल्यां क्लेश राखै सैं। आपणे चरित्र पै गौर नहीं करैं और बालकां के चरित्र पै शक करैंगे। इसपै लोगां नै ध्यान देणा चाहिए। खुद काम करण की कोशिश करैंगे तो बालक भी ठीक लाइन पै लागैंगे। उनके संस्कार आच्छे होंगे। जिंदगी में कामयाब होंगे।

- छबीले, मोदी और मनोहर सरकार नैं इतणी योजनाएं चला राखी सैं अक जै आलतू-फालतू की बातां पै ध्यान ना देकै उन पै ध्यान दिया जावै तो जिंदगी में कामयाबी मिल सकै सै। बोहत रास्ते मिल सकैं सैं। मैं तो कहूं ईमानदारी हो और काम करण की नीयत हो, तो सौ प्रतिशत आत्मनिर्भर बणा जा सकै सै।

- हां भाई, एक सिर्फ पेट भरण तैं जिंदगी में रस कोन्या आवै। मेहनत करणी पड़ैगी, काम करणा पड़ैगा। सारे लड़ाई-झगड़े त्यागकै आगै बढ़णा पड़ैगा। घर परिवार की या गाम की कोई समस्या है तो उसे मिल बैठकै निपटणा होगा।

-और नहीं तो गाम सांझले कामां में रूचि लेणी चाहिए ताकि खाली समय का ठीक उपयोग करा जा सकै। गांव-गली की सफाई व्यवस्था के लिए टोली बणाई जा सकै सै। साफ सफाई रहैगी तो बिमारियां तैं बचा जा सकैगा।

- हां रसीले, प्रशासन तै मिलकै सामाजिक बुराइयों के खिलाफ अलख जगाई जा सकै सै। कहणे का मतबल यू सै अक काम करणिये नै काम का तोड़ा कोन्या। काम करो, रोज करो। ताश खेलण पै ध्यान ना धरो। और फेर न्यू कहा करैं, यो माणस जूनी देवताओं को भी ना मिलती। इसनै व्यर्थ ना गंवाओ।

-मनोज प्रभाकर

डॉ अमित अग्रवाल, भा.प्र.से. प्रबंध निदेशक, संवाद (सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग) हरियाणा द्वारा हरियाणा सरकार के लिए कमरा नं. 314, दूसरी मंजिल, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला से प्रकाशित।
कार्यालय : संवाद सोसायटी एससीओ 23, पहली मंजिल, सेक्टर 7, चंडीगढ़ फोन : 0172-2723814, 2723812 email : editorsamvad@gmail.com